

29/16 वादी मंत्र वक्ता उपाधीत। उपाधीत को  
 संतान नश्याना जाही हो। (प्रतिकारी मंत्र  
 संतान हो 29.9.16 को पेश हो।

31/9/16

वादी के जर्णना पर पर पत्रावली शावा से तलब की गई।  
 वादी धर्म न एक जर्णना पर पेश कर निवेदन किया  
 है कि वो अपने वाद को भागे नहीं चलना चाहता  
 विद्वान करना चाहता है। अतः वादी का वाद विद्वान  
 किया जाता है। पत्रावली जसम शुमार होवु नम्बर  
 से काम हो बाद तक्मीम दाखिल करता है।

आदि



धर्म

12

रिजल

रज

रजमन योदी

एडवोकेट

जुन वषद मेधिकारी

प्रोफेसर (अवकर)

उपस्थित:-

5/16

पत्रावली में पूर्ण वादी वक्ता ने उपाधीत (मिथ्य  
 आदिवा पत्रावली विपत (मिथ्य पर फरद)

रिज

29/16

आदिवाक की पूजा में उपाधीत ने आपाही नहीं  
 होना पत्रावली का। मा.पत्रा. किम/पूर्व उपाधीत निपत  
 रिजिस्ट्रार फरद रिज

29/16

पत्रा. पत्रावली वादी स्वयं उपाधीत हुआ। वादी ने  
 स्वयं उपाधीत होकर अपने वाद पत्रावली विद्वान  
 करने का निवेदन किया। उपाधीत विद्वान किसे  
 जले पूर्ण में पत्रावली उपाधीत उपाधीत/वादी उपाधीत  
 किया जाता है। वादी का वाद पत्रावली विद्वान किया  
 जाता है। पत्रावली नम्बर से काम होकर बाद  
 तक्मीम दाखिल करना ही जावे रिज

अ.दि. धर्म

12

रिजल

रजमन योदी

एडवोकेट